<u>राज्यण सभा</u>

<u>अतारांकित प्रश्ना संख्याय 1573</u>

<u>11 मार्च, 2015 को उत्त र के लिए</u>

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि.(सेल) द्वारा क्षमता में वृद्धि

1573. डॉ. टी. सुब्बारामी रेड्डी:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. (सेल) ने निकट भविष्य में बढ़ने वाली मांग की पूर्ति हेतु अपनी क्षमता में वृद्धि की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछली तिमाही, अक्तूबर से दिसंबर के दौरान, उसी अवधि की तुलना में बताये गए लाभ का ब्यौरा क्या है; और

(घ) कार्यक्षमता और उत्पादकता को बढ़ाने हेतु क्या रूप-रेखा तैयार की गई है?

<u>उत्त)र</u>

<u>इस्पांत और खान राज्यो मंत्री</u> **<u>श्री विष्णुो देव साय</u>**

(क) और (ख) :स्टीयल अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी क्रूड स्टी ल उत्पाैदन क्षमता को वर्तमान चरण में 12.8 एमटीपीए से बढ़ाकर 21.4 एमटीपीए करने के लिए भिलाई , बोकारो, राउरकेला, दुर्गापुर और बर्नपुर स्थित अपने पांचों एकीकृत इस्पाित संयंत्रों का आधुनिकीकरण एवं विस्तालर कार्य आरंभ किया है। आधुनिकीकरण एवं विस्ताेर के वर्तमान चरण का संकेतात्मोक निवेश लगभग 61 ,870 करोड़ रूपए है। इसके अतिरिक्तक, खानों के विकास में निवेश के लिए 10,264 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।

(ग) : अक्तूरबर-दिसम्बार, 2014 की तिमाही के दौरान सेल का कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) और कर-पश्चा त् लाभ (पीएटी) गत वर्ष की समान अवधि में क्रमश: 705 करोड़ रूपए और 533 करोड़ रूपए की तुलना में 720 करोड़ रूपए और 579 करोड़ रूपए हैं।

(घ) : क्षमता और उत्पाटदकता में सुधार करने के लिए किए जाने वाले उपायों में ये शामिल हैं – सेल के विभिन्नम संयंत्रों में बीएफ कोक की आवश्य कता कम करने के लिए ब्लांस्टं फर्नेसों (बीएफ) में कोल डस्टब इंजक्शयन (सीडीआई) में वृद्धि करना, कोक दर में कमी करना , अन्यर कच्चीे माल जैसे लौह अयस्को, लाइम स्टोलन, डोलोमाइट, फैरो अलॉय इत्यादि के उपयोग में कमी लाना, विशेष ऊर्जा खपत में कमी करना , किफायती कंटीन्यू(अस कास्टिंग रूट के जरिए क्रूड स्टीेल के उत्पातदन को अधिकतम बनाना और पानी की विशेष खपत में कमी करना आदि शामिल हैं।

****